Journal of Socio-Educational & Cultural Research, Vol. 2, No. 5, July-December, 2016 ISSN : 2394-2878

भारत में आतंकवाद की समस्या

डॉ0 किशोर उत्तमराव राऊत*

प्रस्तावना

भारत देश आशिया खंड मे नही तो विश्व में उभरता हुआ शक्तीशाली राष्ट्र है। वर्तमान स्थिती में कृषी, शिक्षा, तंत्रज्ञान, तकनीकी, सुरक्षा यातायात, संचार आदी सभी क्षेत्र में अपने पैर जमा रहा है। दुनिया के कई देशो का मार्गदर्शन कर रहा है। एक तरफ विकास की ओर अग्रेसर तो दुसरी तरफ कई समस्यांओ निर्मित होती दिखाई देती है। भारत देश में कई समस्याऐ है जिनमें आतंकवाद (Terrorism) एक है। आतंकवाद एक जटील एवं प्रासंगिक समस्या है। आतंकवाद भारत मे नही ंतो विश्व के सभी देशों मे आतंकवाद से व्यक्ती, परिवार, संस्था, समाज एवं समुचे देश चपेट में है। भारत के जम्मू काश्मिर, पंजाब, या उत्तरी राज्यों मे कब कहा आतंकी हमला हो जायगा इसका अंदाजा नही लगाया जा सकता। इतने मजबुत जडे आंतकवादने रखी है। आतंकवाद के कारण जीवन अनिश्चित हो गया है ।

इस शोध मे भारत मे आंतकवाद की समस्या अध्ययन किया है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में आतंकी हमले, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिती, राजनैतिक स्थिती, अलगाववाद, पृथक भावना, हिंसा आदि मुद्यों का विश्लेषण किया है।

अध्ययन उद्देश

इस अध्ययन मे निम्नलिखित उद्देशो को लिया है।

1. भारतीय परिप्रेक्ष्य में आतंकवाद का अध्ययन करना।
2. आतंकवाद के उपागम का अध्ययन करना।
3. आतंकवाद के कारणों एवं प्रभावों का विश्लेषण करना।
4. आतंकवाद समस्या खत्म करने का सुझाव देना।

इन उद्देश्यों को लेकर आतंकवाद (Terrorism) की समस्या का अध्ययन है। वर्तमान स्थिती में 1980–90 के बाद भारत में आतंकी हमलो की संख्या बढ गई है। इनके पिछे संगठन, समूह, या नीतीयॉ महत्वपूर्ण है। इन सभी का द्वितीय स्त्रोत को लेकर विशेशण किया है।

आतंकदवाद की परिभाषा (Definition of Terrorism)

आतंकवाद की सर्वसामान्य परिभाषा नही है। क्योकि उसकी जडे बहुत गहरी है, फिर भी उसके लक्षणों एकसमान है। आतंकवाद की उत्पत्ती आंतक शब्द से हुई है। आंतक फैलने के लिए कार्य करते है उससे आतंकवाद कहते है। आतंकवाद की कई रूप है। आंतक मे हिंसा, युध्द, दंगा, हमला, हिंसक अपराध, जातीय–वांशिक दंगे, संघर्ष सम्मिलित है। आतंकवाद एवं लोकतंत्र के विरोध मे यह कृती है। आतंकवाद का लक्ष्य हिंसा या भय पैदा करना है। राजनैतिक उद्देश इसमे अंतर्भूत है। आतंकवाद की धारा 92 मे दी गई परिभाषा, किसी विशेश प्रश्न के संदर्भ मे दहशत निर्माण करने के लिए की गई गैर कानूनी हिंसा का अर्थ आतंकवाद है। राज्य का विरोधी वर्ग को दबाने के लिए भयोत्पादक उपायों का अवलम्बन करना ही आतंकवाद है। [1] (रसेल 2008) आतंकवाद मे समाज को भयप्रद स्थिती निर्माण करना जिसे उद्देशों तक जा सकता है। ऐसा आतंकी गुट का मानना है। आंतकवाद का कोई नियम या कानून नही होता। वह सिधे वार नही करते, तो पिछे से वार करते है। उनका वार सिनेमाघरो, रेलगाडी, भीड भाड की जगह, मासुमों पर होता है। यह आतंकी हमला सुनियोजित एवं योजनाबध्द तरीके से किये जाते है और उनकी रणनिती गोपनीय रखी जाती है। कुल समय अपने कार्यो की घोषणा भी की जाती है। दहशत फैलाना आतंकवाद को समजा जा सकता है।

* **समाजशास्त्र विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती**

आतंकवाद के प्रकार–

आंतकवाद के निम्न प्रकार किये जाते है। उनके उद्देशो एवं कार्योनुरूप प्रकार किये जाते है।

1. राष्ट्रीय आतंकवाद
2. वांशिक आतंकवाद
3. तात्विक आतंकवाद
4. इस्लामिक आतंकवाद
5. धार्मिक आतंकवाद
6. यौन आतंकवाद
7. पृथकतावादी आतंकवाद

इसके साथ राम आहुजा[2] (आहुजा 2000 : 384–385) महेन्द्र वेद ने द हिदुस्थान टाईम्स मे दिये प्रकार लिखे हैं–

1. राज्य द्वारा प्रायोजित, 2. गुट द्वारा प्रायोजित 3. अपराध सम्बन्धित, 4. नार्को आतंकवाद, 5. विवाद प्रेरित आंतकवाद, साथ ही वेबसाईट में– 1. राजनैतिक आतंकवाद, 2. गैर आतंकवाद, 3. अर्थ आतंकवाद, 4. सिमित आतंकवाद, 5. सरकारी या राज्य आतंकवाद, 6. राष्ट्रवादी, अलगाववादी, 7. धार्मिक कटटरवादी आंतकवाद, सामाजिक क्रान्तिकारी[3] (https://hi.m.wikipedia.org, terrorism types)

इन सभी प्रकार देश और दुनिया मे दिखाई पडते है। इस प्रकार की हर दीन माध्यमों में दिखते है। भारत इन सभी प्रकारो का अनुभव कर रहा है। राष्ट्रीय आतंकवाद, पृथकतावादी आंतकवाद, विचारक अपने स्वतंत्र आतंकवादी या जिहादी, लव्ह जिहाद यह भी भारत में दिखाई देती है। वर्तमान स्थिती में भारत आतंकी दौर मे गुजर रहा है। चाहे वह कोई भी विचारधाराऐ वाली पार्टी क्यो ना हो उनको आतंकी हमले का अनुभव आता है। राजनैतिक आतंकवाद दुनिया के कई देश मे फैल रहा है। जैसे– चीन, रूस, जपान, पाकिस्तान, अफगाणीस्तान, अमेरिका, युरोप या आफ्रिका खंड मे सभी मे राजनैतिक आंतकवाद दिखाई देता है। इन आतंकी संगठनो को दुनिया से मदत मिलती है। इसी कारण अपनी फौज खडी करके हिंसात्मक कार्ये करता है।

आतंकवादी संगठन

विश्व में आतंकी संगठन की संख्या तीव्रता से बढ रही है। चाहे वह इजरायल, फ्रिजीस्तीन, इराण, इराक, अमेरिका, रशिया, भारत, जपान, चीन इन सभी देशों मे आतंकी संगठन की संख्या अधिक है। फिर भी इस्लामिक स्टेट मे आतंकी संगठन अधिक है।

डॉ. रामदेव भारव्दाज[4] (भारद्वाज 2011:06–14) ने अपने संशोधन मे निम्नलिखित दिये है।

1. अबु निडाल संगठन
2. अबु सय्याफ समूह
3. आर्म्ड इस्लामिक समूह
4. अम सिनरिकियो अम सुप्रीम
5. अल जेहाद समूह
6. डेमोक्रेटीक फन्ट फार दि लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन
7. वासक्यु फादरलॅन्ड ॲन्ड लिबर्टी
8. अल गामा एट अल इस्लामिया
9. हामास इस्लामिक रेसिस्टेन्स आंदोलन
10. हरकत उल अंसार
11. हिजबुल्ला पार्टी ऑफ गॉड
12. जापानी रेड आर्मी
13. कच एण्ड कहाने चाई

14. पार्टी ऑफ डेमोक्रेटीव्ह कम्पूचिया
15. खुरदिस्तान वर्कर्स पार्टी
16. लिबरेशन टाईगर ऑफ तालिम ईलम (लिट्टे)
17. मेन्युअल रोडराइजर पेट्रीआटीफ फ्रन्ट
18. मुजाहिदीन खालिक संगठन
19. नेशनल लिबरशेन आर्मी
20. फिलिस्तीन इस्लामिक जेहाद
21. फिलिस्तीन लिबरेशन फ्रन्ट
22. पापूलर फ्रन्ट फॉर दि लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन
23. पापूलर फ्रन्ट फॉर दि लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन
24. पापूलर फ्रन्ट फॉर दि लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन जनरल कमांड
25. रिव्होलुशनरी आर्म्ड फोर्स ऑफ कोलंबिया
26. रिव्होलुशनरी आर्गनायझेशन 17 नवम्बर
27. रिव्होलुशनरी पिपल्स लिबरेशन पार्टी फन्ट
28. रिव्होलुशनरी पिपल्स स्ट्रगल
29. तुबाक अमारू रिव्होलुशनरी मूवमेन्ट। (भारद्वाज 2011: 6–14)

भारत और आतंकवाद

भारत एक विकसनशील देश है। पूर्व एवं वर्तमान स्थिती में कई चुनौतियॉ का सामना करना पड रहा है। भारत में आतंकी हमले कई बार हुये है। भारत के आजादी के पहले देशी लोगों ने यहा आकर राज्य किया। उन्होने अपनी विचारधाराऐ, संस्कृती, रूढीया एवं परम्पराओं को स्थापित किया। इसके बाद ब्रिटीश आने के बाद अंतर्गत आतंकी हमले होते रहे। राजे महाराजाओं ने आपस में कई बार हमले किये है। इन सभी हमलो को आतंकी हमला नही कहते थे। '**आतंकवाद**' या '**नक्सलवाद**' यह शब्दप्रयोग भारत में 1967 के बाद ही मिली जैसे– पश्चिम बंगाल मे 1967 मे नक्सलवादी गाव में यह आंदोलन प्रारंभ हुआ। मजदूर एवं जमिनदार का संघर्ष कई दिनों मे 10–15 साल में आंध्र प्रदेश, केरळ, उडीसा, त्रिपुरा राज्यों के साथ साथ समुचे भारत मे आतंकवाद फैल गया। उत्तरी पूर्वोत्तर राज्य आतंकवादी की चपेट मे है। पंजाब, जम्मू काश्मिर, त्रिपूरा, मनिपूर, नागालॅड, मेघालय, मिझोरम आदि छोटे छोटे राज्यों मे भी आतंकवाद अपने पैर जमाके खडा है।

देश मे कई संगठन मौजूद है। जिन के द्वारा आतंकी हमला होते है। जम्मू काश्मिर मे पचास से उपर आतंकी संगठन है। उनको दुसरे देशो की मदत मिलती है। पाकिस्तान ने पाक अधिकृत काश्मिर के लिए कई बार युध्द किये है। जैसे 1947, 1966, 1971 और 1991 मे फिर भी पाकिस्तान के नीती को खारीज किया गया। हर बार भारत की जय हुई। पंजाब के खालिस्तान पृथक राज्य की मांग हो, या स्वर्ण मंदिर मूक्त कराना हो, इनमें श्रीमती इंदिरा गांधी को अपनी जान देनी पडी। उनकी हत्या अंगरक्षक द्वारा की गई। राजीव गांधी की भी हत्या आतंकी हमले से ही हुई है।

भारत मे आज भी नेशनल सोशालिस्ट काउन्सिल ऑफ नॉगालंड, कुकी नेशनल आर्मी, कुकी नॅशनल फन्ट नॅशनल लिबरेशन फ्रन्ट ऑफ त्रिपूरा, लिबरेशन टाईगर फोर्स, बोडो लॅन्ड उल्फा, आदि कई नाम है जो भारत में आतंकी हमला करते है। जम्मू काश्मिर मे 51 आतंकी संगठन है। 1) जम्मू काश्मिर लिबरेशन फ्रन्ट 2) हिजबुल मुजाहिदीन 3) अल्लाह टायगर 4) जिया टायगर 5) इस्लामिक जामिल तुलबा 6) दुख्तराम ए मिलात 7) अल बदर 8) आपरेशन बालकोट 9) काश्मिर फ्रिडम आर्मी गुरिल्ल कमांडो 10) स्टुडेंट लिबरेशन फन्ट, 11) ए खुमेनी 12) हिंजबी इस्लामी 13) हिजबुल्लाही 14) काश्मिर फ्रिडम मूवमेंट 15) काश्मिर लिबरेशन फ्रंट 16) जे. एण्ड के. लिबरेशन आर्गेनायझेशन 17) पीपुल लीग 18) इस्लामिक स्टुडेन्ट लिग 19) अल मोहम्मदी मुजाहिदीन 20) विक्ट्री कमाण्ड फोर्स 21) अल उमर मुजाहिदीन 22) अल बक्र मुजाहिदीन 23) अल फतेह फोर्स 24) जे एण्ड के. महाजी आजादी 25) इस्लामिक जमूरिया

काश्मिर 26) जे. एण्ड के. इंकलाबी फ्रन्ट 27) काश्मिर स्टुडेन्ट फ्रन्ट 28) पिपल्स लिबरेशन ऑर्गेनायझेशन 29) तेहरिक जेहाद 30) अल जे एण्ड के सोल्जर्स फिल्फ फ्रन्ट 31) हिजब उल्लाह इस्लामिक जान्हामुरिया ऑफ जे एण्ड के. 32) फ्री आर्मी 33) इकबाल अल मुस्लिम 34) काश्मिर लिबरेशन टाईगर , 35) पिपल्स फ्रंन्ट, 36) हिज बुल जाहिद, 37) नॅशनल मुस्लिम युनायटेड फ्रन्ट, 38) अल हमजाह अल असूर उल इस्लाम 39) असूर उल इस्लाम 40) मुस्लीम स्टुडंट फ्रंन्ट 41) तहरीन आजादी 42) जिन्ना लिबरेशन टाईगर 43) काश्मिर फ्रीडम के एल. एफ. विंग 44) अल कुरान लाई ग्रुप 45) के. व्ही. सी. 46 हिजबुल मोमीन 47) जमातूल मुजाहिदीन 48) एफ. टी. 49) मुस्लीम जॉबाज फोर्स 50) अल–वर्क 51) इस्लाम ए–मुल्लात[5], (भारद्वाज 2011 : 19–20) आदि संगठन का उल्लेख किया है।

इनसे देखा जाता है कि, आतंकी संगठन का जाल है। सब जगह आतंकी हमले दिखाई देते है। देश के कुछ आतंकी हमले निम्नलिखित है।

अंगाली पांडया लिखती है कि,

1. 2 अगस्त 1984 मीनाम्बखम बम विस्फोट
2. 7 जुलाई 1987 हरियाना बम विस्फोट
3. 15 जून 1999 पंजाब बम विस्फोट
4. 12 मार्च 1993 मुंबई बम विस्फोट
5. 30 दिसम्बर 1996 ब्रम्हपुत्रा मेल ईन धमाका
6. 14 फरवरी 1998 कोईमतूर बम विस्फोट तामिलनाडू
7. मे जून 2000 चर्च बम विस्फोट, कर्नाटक, गोवा, आंधप्रदेश
8. 22 दिसम्बर 2000 लाल किला बम विस्फोट
9. 1 अक्तुंबर 2001 जम्मू काश्मिर विधान मंडळ मे बम विस्फोट
10. 13 दिसंबर भारतीय संसद पर हमला
11. 13 मई 2002 जोनपुर ट्रेन धमाका
12. 6 दिसंबर मुंबई मे बम विस्फोट
13. 21 दिसंबर कुरनुल ट्रेन धमाका आंधप्रदेश
14. 24 सप्टेंबर 2002 अक्षरधाम पर हमला गुजरात
15. 27 जनवरी 2002 मुंबई बम विस्फोट
16. 13 मार्च 2003 मुंबई ट्रेन धमाका
17. 28 जुलाई 2003 मुंबई बस धमाका
18. 25 अगस्त 2003 मुंबई बस विस्फोट
19. 15 अगस्त 2004 धेमाजी स्कुल धमाका आसाम
20. 28 जुलाई 2005 जोनपूर ट्रेन धमाका
21. 7 मार्च 2006 वाराणसी बम विस्फोट और श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर धमाका
22. 11 जुलाई 2006 मुंबई ट्रेन धमाका
23. 8 सप्टेंबर 2006 मालेगांव बम विस्फोट महाराष्ट्र
24. 18 फरवरी 2007 समझोता एक्सप्रेस बम विस्फोट हरियाना
25. 18 मई 2007 मस्जिद बम विस्फोट हैदराबाद
26. 25 अगस्त 2007 लुंबिनी पार्क व गोकुल चार्ट हैदराबाद
27. 11 अक्तुबर 2007 सुफी मुस्लिम संत अजमेर
28. 10 अक्तुबर 2007 लुधीयाना बम विस्फोट
29. 24 नवम्बर 2007 वाराणसी, लखनौ, फेजाबाद, उत्तरप्रदेश
30. 1 जनवरी 2008 रामपूर बम विस्फोट
31. 13 मई 2008 जौनपूर बम विस्फोट

32. 25 जुलाई 2008 बंगलौर बम विस्फोट
33. 26 जुलाई 2008 अहमदाबाद बम विस्फोट
34. 13 सप्टेंबर 2008 दिल्ली बम विस्फोट
35. 21 सप्टेंबर 2008 महेसली विभाग दिल्ली बम विस्फोट
36. 29 सप्टेंबर 2008 मालेगांव बम विस्फोट महाराष्ट्र
37. 1 अक्तुबर 2008 अगरतला
38. 21 अक्तुंबर 2008 आसाम बम विस्फोट
39. 26 नोव्हेंबर 2008 मुंबई बम विस्फोट
40. 1 जनवरी 2009 गुहाटी आसाम
41. 6 एप्रिल 2009 आसाम
42. 13 एप्रिल 2010 पुणे बम धमाका
43. 7 दिसंबर 2010 वाराणसी बम विस्फोट
44. 13 जुलाई 2011 मुंबई बम धमाका
45. 7 सप्टेंबर 2011 दिल्ली बम विस्फोट
46. 13 फरवरी 2012 इसराई दिल्ली
47. 1 अगस्त 2012 पुणे बम विस्फोट
48. 21 फरवरी 2012 हैदराबाद बम विस्फोट
49. 13 मार्च 2013 श्रीनगर जम्मु काश्मिर
50. 17 एप्रिल 2013 बंगलौर बम विस्फोट
51. 25 मई 2013 दरबा छत्तीसगड
52. 24 जून 2013 श्रीनगर जम्मु काश्मिर
53. 7 जुलाई 2013 बुध्द गया बम विस्फोट
54. 27 अक्तुंबर 2013 पाटना बम विस्फोट बिहार
55. 25 एप्रिल 2014 झारखंड
56. 28 एप्रिल 2014 बुडगांव
57. 1 मई 2014 गडचिरोली बम विस्फोट
58. 12 मई 2014 चेन्नई ट्रेन बम विस्फोट
59. 28 दिसम्बर 2014 चर्च बंगलौर
60. 27 मार्च 2015 जम्मू काश्मिर
61. 27 जलाई 2015 दिवानगर गुरूदासपूर पंजाब
62. 2 जनवरी 2016 पठाणकोट हवाई अडडा पंजाब
63. 25 जून 2016 पानपूर बम विस्फोट
64. 5 अगस्त 2016 भान्जन तिमाजी कोकरजहाट
65. 14 सप्टेंबर 2016 युरी जम्मू काश्मिर
66. 3 अक्तुंबर 2016 बरामतुला जम्मू काश्मिर
67. 6 अक्तुंबर 2016 हन्दवारा जम्मू काश्मिर

इसके बाद भी भारत में आतंकी हमले होते रहे है। धार्मिक स्थलों, स्कुलो, व्यापार, होटलो, रेल्वे स्टेशनो, पुलिस स्टेशनो आदि सभी जगह आतंकी हमले हुई है। इनकी संख्या निम्नलिखित है–

Table No. 1

Year	Fatilities	No. of Incidents
1984	30	1
1987	36	1
1991	30	1
1993	259	1
1996	33	1
1998	58	1
2000	45	1
2002	207	5
2003	68	4
2004	18	1
2005	83	2
2006	267	5
2007	148	6
2008	409	11
2009	13	2
2010	18	2
2011	138	2
2012	--	2
2013	69	8
2014	17	5
2015	16	2
2016	49	4
Total	**2011**	**68**

https://en.m.wikipedia.org. terrorism _in_ india)

Table No. 2

Year	Death	Injured
1984-2001	4685	13500 +
2002	821	2897 +
2003	418	2321 +
2004	1066	4016 +
2005	348	1857 +
2006	319	981 +
2007	621	1730 +
2008	350	362 +
2009	58	87 +

2010	673	1794 +
2011	717	1757 +
2012	788	2378 +
2013	768	1839 +
2014	2120	--
2015	2619+	5154 +
2016	1054+	1811 +

https://en.m.wikipedia.org. terrorism _in_ world)

आतंकवाद के कारक

आतंकवाद के अलग अलग कारकों का आलेख किया जाता है। वर्तमान स्थिती में निर्धनता बेरोजगारी, क्षेत्र का पिछडापना, आदि महत्वपूर्ण है। विका कार्य पर ही किये जाते है। परंतु युवा वर्ग के पास ना नोकरी, ना व्यापार, ना कोई कामधंदा इसी कारण यह नक्सलवादी या आतंकवादी मुव्हमेंट मे सामील हो रहे है। आतंकी सिंग गठनो में सिमीत युवा अधिक पाये जाये।

1. सामाजिक पिछडापण : सामाजिक पिछडापन यह एक कारण है। उनकी परंपरागत रूढीया, अंधविश्वासों, धर्मीन्धता, आदि के कारण उनका सामाजिक पिछडापन दिखाई देता है। इन पिछउेपन के कारण युवा वर्ग आतंकी संगठन मे शामील होते है।
2. आतंकवादी विचारधारा के संगठन भी आतंकी हमले करते है।
3. असमानता भेदभाव
4. धर्मान्धता, धार्मिक कटटरवाद स्वधर्म
5. राजनैतिक दल
6. विदेशी शक्ती का हस्तक्षेप
7. वांशिक संगठन की निर्मिती
8. मुस्लिम कटटरतावाद
9. आतंकवाद का भूमंडीकरण

इसके साथ ही नई आर्थिक, नीती, शिक्षा, प्रणाली, प्रशासन एवं राजनैतिक पार्टीयॉ आतंकवाद फैलाके या संगठनों को बढावा देने में अग्रेसर दिखाई पडती है।

हम भारतीय की भावना की कमी, अधिकांश लोग केवल स्व का विचार करते है। स्वार्थी प्रवृत्ती अधिक होने के कारण सबका विकास नही हो सकता। केंद्र एवं राज्य सरकारों की योजनाऐ, कार्यक्रमो जनसामान्य तक नही जाता, पिछड़े या वंचित लोगों को फायदा नही मिलता। इन सभी कारणों का अंतर्भाव किया जाता है।

सुझाव

आतंकवाद खत्म करने के लिए निम्नलिखित सुझाव है।

1. शिक्षा क्षेत्र मे स्कुल, कॉलेजो, विश्वविद्यालयों मे आतंकवाद के प्रभावो अंतर्भाव किया जाये।
2. अपराधी एवं आंतकी संगठनो से जुडे राजनेता को चूनाव मे खडा न करे।
3. आतंकी घटना की खबर सुनतेही धीरज से काम लेना चाहिए।
4. भीड की जगह जैसे रेल्वे स्टेशन, बस स्टेशन, व्यापार की जगह, यहा हर तरह नजर रखे।
5. कोई भी अनजाना व्यक्ती या सामान को हात न लगाये।
6. अपने घर को किराये पर देते समय किरायदार की सभी जानकारी ले। अगर कोई शंका आये तो पुलिस स्टेशन को तुरंत जानकारी देना चाहिए।

7. केंद्र या राज्य सरकार के कार्यक्रमो या योजनाओं को समझे और आतंकवाद खत्म करने मे योगदान दे।
8. देशप्रेम या देशभक्त होना चाहिए।
9. इसी देश के नागरिक होने के नाते अपनी जिम्मेदारी समझे।
10. कोई भी आतंकी संगठनो को स्वयं मदत ना करे या दुसरों को ना करने दे।
11. अपनी संस्कृती, देश का रक्षण करे।
12. देश सभी जाती–जमाती एवं पिछडे लोग के विकास के लिए कार्ये होना चाहिए।
13. अलगावाद या धार्मिक कटटरतावादी को कडी सजा देनी चाहिए।
14. विदेशी शक्तीको न आने दे, पडोसी देशो पर ध्यान रखे। किसी हस्तक्षेप न करे या ना करने दे।

संदर्भ :

1. रसेल बॅट्रोल (2005) विज्ञान का समाज मन पटलपर परिणाम, मेहता पब्लिशिंग हाउस पुणे.
2. आहुजा राम (2000) सामाजिक समस्याऐ, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, पृ. 384–385.
3- www.https://hi.m.wikipedia.org terrorism.types
4. भारद्वाज रामदेव (2011) आतंकवाद की समस्या और भारत, आतंकवाद के विभिन्न आयाम गायत्री पब्लिकेशन रीवा मध्यप्रदेश, पृ. 6–14.
5. ईबीडी पृ. 19–20.
6- www.https://hi.m.wikipedia.org terrorism.in india
7- www.https://hi.m.wikipedia.org terrorism.in india
8- www.https://hi.m.wikipedia.org terrorism.in india